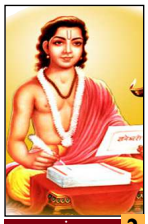

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 04 | अंकः 11 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, रविवार 7 सितम्बर, 2025 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

मेरी आवाज ही पहचान है सिंगिंग ईवेन्ट में चला सुरों का जादू

जयपुर (संस्कार सृजन) मेरी आवाज ही पहचान है म्यूजिकल ग्रुप का सिंगिंग ईवेन्ट सीजन-2 एक नये अंदाज में होटल माईल स्टोन, बनीपार्क जयपुर में संपन्न हुआ । अगस्त माह के मुख्य त्यौहारों एवं विशेष दिवसों की सांग थीम के साथ आयोजन हुआ । इसमें देश भक्ति ,भाई-बहन का रिश्ता ,दोस्तों की दोस्ती ,कृष्ण कन्हैया की भक्ति के गीत, सावन के गीतों पर गायक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी । मेरी आवाज ही पहचान है के फाउण्डर नितिन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत फाउण्डर नितिन शर्मा की माताजी के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर, गणेशजी व सरस्वती वंदना के साथ मुख्य अतिथि बसन्तानन्द महाराज से आर्शीवाद लेकर की गई। नितिन शर्मा की पत्नी पूनम शर्मा के द्वारा पूर्व भाजपा मीडिया प्रभारी और फाउण्डर एडवोकेट सुनीता वैष्णव का अतिथि सत्कार किया गया । सभी कलाकारों को अतिथि सुनीता वैष्णव द्वारा उपहार दिये गए। अक्षरा मिश्रा

पुत्री नितिन शर्मा द्वारा कार्यक्रम का पहला गीत 'श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी' से संगीत का सफरनामा शुरू हुआ । जिसके बाद सभी डायमण्ड सिंगर्स निहारिका ,नवल सैनी ,डॉ.राजेन्द्र शर्मा, राजेश-सुशीला वर्मा (पति-पत्नी) की जोडी, भारती, आर.डी.गुप्ता,पी.डी.गुप्ता, अनुराग सिन्हा ,लोकेश सहल, कृष्णा, स्वीटी, राजेश सोनी व निखिल सोनी ,धीरेन्द्र सिंह, हिम्मत सिंह, राकेश शर्मा ,महेश शर्मा, जितेन्द्र गहलोत ,गजराज सिंह भाटी ,श्रीनिवास दुबे, जयन्त भटटाचार्य, शैलेन्द्र माथुर, अमित देव व्यास, वरिष्ठ सिंगर अनान टोगनाटा, आर.डी.गुप्ता ,पी.डी.गुप्ता ,राकेश गौड ने अपनी गायकी से समां बांध दिया। माँ विद्या डायबिटिक फाउंडेशन से मीनाक्षी शर्मा,पारूल,कविता सिन्हा ने हँसते हँसते कट जाये रस्ते, दौसा से डॉ.राजकुमार मीणा, कुमेश कुनेजा ,बनवारी सैनी ने अपने गीतों की प्रस्तुति दी। जयश्री सोनी व मधु नायक ने एंकरिंग के साथ-साथ अपनी गायकी का भी परिचय दिया । आकाश कुमार के साउण्ड ने संगीत की स्वर लहरियां बिखेरी। कार्यक्रम का मुख्य आर्कषण रहे फाउण्डर नितिन शर्मा के 4 वर्षीय बेटे दूशान मिश्रा ने अमिताभ बच्चन के गीत अरे दीवानो मुझे पहचानो पर अपने पिता के साथ गायकी कर बखूबी साथ निभाया, जिससे कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा।

टीचर्स डे पर फुल मार्क्स की ओर से प्रिंसिपल व शिक्षिका हुई सम्मानित

जयपुर (संस्कार सृजन) सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर एयरपोर्ट में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के योगदान का सम्मान किया गया। इस मौके पर फुल मार्क्स प्रकाशन की ओर से समाजसेवी बृजेश पाठक ने विद्यालय की प्राचार्या शालिनी कपूर तथा शिक्षिका राखी शुक्ला को विशेष सम्मान स्कूल में जाकर उन्हें सम्मानित किया। फुलमार्क्स द्वारा शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य और समर्पण की सराहना की गई। प्राचार्या शालिनी कपूर ने इस अवसर पर कहा शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल ज्ञान का प्रसार नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र और जीवन मूल्यों को गढ़ने की एक सतत प्रक्रिया है। वहीं, शिक्षिका राखी शुक्ला ने कहा यह सम्मान मेरे लिए प्रेरणा है कि मैं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करूँ । इस अवसर पर विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों ने दोनों शिक्षिकाओं को बधाई दी और उनके योगदान पर गर्व व्यक्त किया।

वाल्मीकि समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

जयपुर (संस्कार सृजन) वीर हनुमान मार्ग स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित वाल्मीकि समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 28 टीमों ने भाग लिया था और प्रत्येक टीम ने पूरे जोर शोर से क्रिकेट खेला। इन टीमों में से जयपुर की डी.पी. कॉलोनी और सीकर की सांवली टीमों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस घमासान में जयपुर की डी.पी.कॉलोनी ने सीकर की सांवली टीम को हारकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम को उपहार स्वरूप एक विजेता ट्रॉफी और नगद राशि 31000 रूपये दिये और उपविजेता टीम को उपहार स्वरूप उप विजेता ट्रॉफी और नगद राशि 21000 रूपये आयोजन समिति के द्वारा दिए गए। इस अवसर पर सीताराम, कैलाश, आत्माराम, गजानंद, कैलाश टांक,रतन, रमेश, रामू,अशोक, गोविंद, महेंद्र,पूर्व पार्षद बलदेव सिंह टांक, संजू ,हंसराज, टिंकू, शेखर , जीतू,विक्रम सुरज, रवि, शुभम, विराज, हरीश, अजय, निखिल, अक्षय, राहुल, उत्तम,मनीष, मोनू, प्रीतम, आशीष, कपिल, कार्तिक, रोहित, प्रमोद, उमेश, विजय, अमन, देवराज, नारायण, अरुण, मिथुन, राहुल, मोंटू आदि, प्रवेश, नितेश उपस्थित रहे।

जयपुर में जीवंत हुई रानी अबक्का की वीरता, नाट्य मंचन ने छू लिया दर्शकों का दिल

जयपुर (संस्कार सृजन) अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति की मिसाल, देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी महान वीरांगना रानी अबक्का की शौर्य गाथा पर आधारित नाटक का भव्य मंचन जयपुर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मधुबन कॉलोनी, टोंक फाटक में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे जिन्होंने तालियों और जयकारों के साथ नाटक का आनंद लिया। मंचन में रानी अबक्का के जीवन के संघर्ष, उनके अदम्य साहस, समुद्री युद्धों में उनकी वीरता और मातृभूमि के प्रति उनके अटूट समर्पण को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। दर्शक भाव-विभोर होकर उनके साहस और बलिदान को महसूस करते रहे।

यह प्रस्तुति जय जिनेन्द्र महिला मंडल द्वारा आयोजित की गई थी। जयपुर के महावीर कुमार सोनी द्वारा लिखी गई पुस्तक देश की प्रथम महिला स्वतंत्रता सैनानी महान वीरांगना अबक्का रानी से प्रेरित होकर मंदिर कमेटी द्वारा यह नाटक आयोजित किया गया। इस नाटक का निर्देशन फिल्ममेकर मिताली सोनी ने किया। कलाकारों के दमदार अभिनय, संवादों और जीवंत प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को गहराई तक प्रभावित किया। मुख्य भूमिका में रानी अब्बक्का का किरदार निकिता कासलीवाल द्वारा अत्यंत प्रभावशाली रूप में सशक्त अदाकारी के साथ प्रस्तुत किया गया। कहानी को अत्यंत रूचिकर बनाने की दृष्टि से इसकी रानी अबबक्का की स्टोरी में सुंदर नाट्य रूपांतरण करते गए इस मंचन को जीवंत दिखाने में ममता ठोलिया, सुधा टोंग्या, रीना मोदी, नीलम सोनी, नलिनी दोषी, मंजू पहाड़िया, मंजू गोधा, सुनीता छाबड़ा, नीतू सोनी, आयुषी ठोलिया, अम्बिका सेठी, मीनू अनोपडा ने अपनी शानदार अदाकारी से सबका मनमोह

लिया। इस स्थान पर फ़िल्म निर्देशक मिताली सोनी के निर्देशन की बार-बार सराहना भी हुई। कार्यक्रम का संचालन अर्पित जैन बड़जात्या व उषा जैन द्वारा किया गया। नाटक का नरेशन सीमा छाबड़ा द्वारा किया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अक्षय जैन मोदी और मंत्री अनिल छाबड़ा ने कहा कि इस नाटक का उद्देश्य इतिहास की महान वीरांगना की गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है ताकि आज की पीढ़ी भी उनसे प्रेरणा ले सके। उन्होंने बताया कि ऐसी प्रस्तुतियां महिला सशक्तिकरण और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करती हैं।

कार्यक्रम के अंत में समिति की ओर से सभी कलाकारों और आयोजकों का सम्मान किया गया। दर्शकों ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के नाट्य मंचन न केवल इतिहास को जीवंत करते हैं बल्कि समाज को प्रेरित करने का कार्य भी करते हैं।

एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने किया 30 शिक्षकों का सम्मान

रींगस (संस्कार सृजन) एयू स्माल फाइनेंस बैंक, रींगस द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान से 30 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बैंक की ओर से शाखा प्रबंधक बाबू लाल शर्मा एवं रिलेशनशिप मैनेजर ओम प्रकाश यादव, मुरारी लाल सैनी की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण का छाया चित्र देकर शिक्षा के क्षेत्र में उनके अहम योगदान के लिए उनका सम्मान किया गया एवं बैंक के यूनिवर्सल बनने के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम मंच का सफल संचालन शाखा प्रबंधक बाबू लाल शर्मा द्वारा किया गया।

डांडिया गरबा महोत्सव के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन) खण्डेलवाल सोशल ग्रुप, जयपुर द्वारा डांडिया गरबा महोत्सव 2025 का आयोजन 23 और 24 सितम्बर को ईस्ट लॉन, एंटरटेनमेंट पैराडाइज़, जयपुर में भव्य रूप से किया जा रहा है। यह आयोजन जयपुर का सबसे बड़ा फन, फॉलिक और डांस सेलिब्रेशन माना जाता है और इस बार महोत्सव का 10वां सीज़न विशेष आकर्षण के साथ प्लास्टिक फ्री और इको फ्रेंडली थीम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक सीए अशोक तांबी, अरुण पितलिया और पुनीत खंडेलवाल ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में शहरवासियों को अनलिमिटेड डांस, अनलिमिटेड फूड और मस्ती, सेलिब्रिटी सिंगर्स और रंगारंग प्रस्तुतियों का

आनंद मिलेगा। खास बात यह है कि यहाँ आगंतुकों के लिए स्वादिष्ट व्यंजन भी उपलब्ध रहेंगे कार्यक्रम संयोजक अंकित खंडेलवाल ने बताया कि 'डांडिया गरबा महोत्सव अब केवल नृत्य और संगीत का उत्सव नहीं रहा, बल्कि यह जयपुर के सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक बन चुका है।' पोस्टर लॉन्चिंग कार्यक्रम में गरिमा खंडेलवाल, डॉ. रेखा ताम्बी, कविता पितलिया, नितेश खंडेलवाल कमल बडेरा , आर सी गुप्ता , अरविंद रावत, चेतन ,अजय बैंटवाडा उपस्थित रहे ।

संपादकीय

प्रवासी मजदूर और गरीब तबका महज श्रम शक्ति नहीं

बिहार की पहचान सिर्फ उसकी मिट्टी और संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लाखों मजदूरों से भी जुड़ी है, जो रोज अपनी मेहनत से दिल्ली, मुंबई, सूरत, पंजाब और हरियाणा की अर्थव्यवस्था को जीवंत रखते हैं। देश के किसी भी बड़े शहर की चकाचौंध को आप यदि गौर से देखें, तो उनकी सड़कों, पुलों, इमारतों व फैक्टरियों से बिहार और उत्तर प्रदेश के मजदूरों का पसीना टपकता हुआ नजर आएगा।विडंबना यह है कि जब महामारी का संकट आया, तब यही मजदूर अचानक गैर-जरूरी समझ लिए गए। 2020 के लॉकडाउन की त्रासदी को कोई कैसे भूल सकता है? देश ने वह दर्दनाक मंजर देखा, जब मजदूर अपने परिवार, छोटे बच्चों और बूढ़े मां-बाप को लेकर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हुए। रास्ते में भूख, प्यास और थकान से लोग टूटते गए। कइयों ने तो सड़कों पर ही दम तोड़ दिया। इस भयावह त्रासदी के बाद सवाल उठे कि क्या अब बिहार अपने लोगों को रोजगार का विकल्प घर पर दे पाएगा? राज्य सरकार ने कुछ प्रयास किए। मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना, बिहार कौशल विकास मिशन, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना जैसी घोषणाएं की गईं। पंचायत स्तर पर रोजगार सृजन शिविर लगाए गए, कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोले गए और लौटे मजदूरों को स्थानीय उद्योगों से जोड़ने की बात हुई। मगर इन प्रयासों में नीति और क्रियान्वयन के बीच खाई रह गई। परिणाम यह हुआ कि 2021 से 2023 के बीच ही हजारों मजदूर फिर से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व मुंबई की राह पकड़ने को मजबूर हो गए। महामारी ने बिहार को आत्मनिर्भर बनाने का जो अवसर दिया था, वह गंवा दिया गया।मजदूरों पर वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव का भी सीधा असर पड़ता है। चीन की सस्ती मजदूरी ने दुनिया भर के बाजार में प्रतिस्पर्द्धा को और कठोर बना दिया है, जिससे भारत के छोटे उद्योग व निर्माण क्षेत्र पर दबाव बढ़ा है। दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ ने भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार की अस्थिरता को और गहरा किया है। जब उद्योगों पर यह दोहरी मार पड़ती है, तो सबसे पहले मजदूरों की मजदूरी कमजोर होती है और उनकी नौकरी पर संकट आता है। अगर राज्य और केंद्र सरकारें इस वैश्विक परिदृश्य में मजदूरों को संरक्षण नहीं देंगी, तो प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा और गहरी होती जाएगी। यह त्रासदी आज एक नए रूप में सामने खड़ी है। चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में बिहार की मतदाता सूची से 64 लाख नाम हटाए जाने का आंकड़ा सामने आया है। इनमें से लगभग 22 लाख मृत, 35 लाख प्रवासित और सात लाख दोहरे पंजीकरण वाले बताए जा रहे हैं। यह संख्या कोई मामूली नहीं, बल्कि बिहार के कुल मतदाताओं का लगभग आठ प्रतिशत है। सवाल यह है कि महामारी में जिन प्रवासी मजदूरों को पहले रोजी-रोटी से वंचित होना पड़ा, क्या अब उन्हें अपने लोकतांत्रिक अधिकार से भी वंचित किया जा रहा है? यह मान लेना कि जो मजदूर साल-दो साल बाहर रह गया, उसका बिहार की राजनीति से कोई लेना-देना नहीं, न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। यह सही है कि मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। मगर असली समस्या तब पैदा होती है, जब गरीब, दस्तावेजहीन और प्रवासी मजदूर इस प्रक्रिया की भेंट चढ़ जाते हैं। दिल्ली और मुंबई में काम करने का मतलब यह नहीं कि वे अब बिहार के नागरिक नहीं रहे। लोकतंत्र का असली सौंदर्य यही है कि इसमें सबसे गरीब, सबसे वंचित और सबसे उपेक्षित नागरिक की आवाज भी उतनी ही ताकत रखती है, जितनी सबसे अमीर और प्रभावशाली की। मगर प्रवासी मजदूर पहले शहरों में अदृश्य रहे, फिर महामारी में भूख और मौत के शिकार बने, और अब यदि उन्हें वोट देने के अधिकार से भी बेदखल कर दिया गया, तो यह लोकतंत्र की आत्मा पर गहरी चोट होगी। ऐसे माहौल में राहुल गांधी की हाल की वोटर अधिकार यात्रा एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आती है। इस यात्रा में उन्होंने साफ कहा कि प्रवासी मजदूर और गरीब तबका महज श्रम शक्ति नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ हैं। उनका संदेश कि 'हर नागरिक का वोट, उसकी सबसे बड़ी ताकत है', उन लाखों लोगों की पीड़ा से सीधे जुड़ता है, जिनको आज मतदाता सूची से बाहर किए जाने का खतरा है। इस अभियान को यह तथ्य और प्रभावी बनाता है कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं, 'इंडिया' ब्लॉक की साझा ताकत उनके साथ खड़ी है। यह यात्रा लोकतंत्र के उस बुनियादी मूल्य की याद दिलाती है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक ही है।

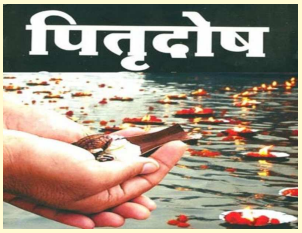

लक्षण देखकर जानें आपके यहां पितृ दोष है या नहीं

कड़ी मेहनत करने पर भी विपरीत परिणाम मिलें, पिता और पुत्र के बीच अकारण ही मनमुटाव और तनाव बढ़ने लगे, धन-दौलत और परिवार समृद्ध होने पर भी घर में शुभ और मांगलिक कार्य नहीं हो पा रहे हों, तो समझना चाहिए कि किसी कारणवश आपके पितरों का आशीष आपको नहीं मिल पा रहा है। पितृ दोष होने पर घर-परिवार में कोई भी काम पूरा होने वाला हो, तभी उसमें रूकावट आती हैं। चिन्ता और रोग से लगातार धन हानि होने लगती है। अच्छी कमाई और धन होने पर बचत नहीं हो पाती। पुत्र या पुत्री, शिक्षित और आत्मनिर्भर होने पर भी, उनके विवाह में देरी या बाधाऐं आने लगती हैं। मन में एक अनजाना भय हमेशा बना होना पितृ दोष की निशानी है। जीवन में सब सुख-सुविधा होने के बावजूद भी किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। डॉक्टरी जांच में सब कुछ नॉर्मल होने पर भी जब संतान न हो, घर में कलह-क्लेश का बोल बाला हो, मुकदमे के कारण धन, समय एवं स्वास्थ्य की हानि हो रही हो, तो यह सब पितृ श्राप के लक्षण हैं। भले ही आज के वैज्ञानिक युग में कुछ लोग पितरों की सत्ता को न मानें परन्तु जिन्होंने हमें जन्म दिया है, उन दिवंगत पूर्वजों का अस्तित्व, साया एवं आशीर्वाद आज भी हमारी सुख-समृद्धि को प्रभावित करता है।

जन्मपत्री में पितृ दोष के आए संकेत तो उपाय अवश्य करें- पितृ पक्ष के दौरान पितरों को प्रसन्न कर उनके आशीर्वाद से बाधाओं का निवारण होता है, संतान आदि सुख व्यक्ति को प्राप्त होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अक्सर लोग पितृदोष के कारण सन्तान सुख से वंचित रहते हैं। संतान सुख में बाधा का संकेत ग्रह-नक्षत्र के माध्यम से जन्मकुंडली में स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। कुछ विशेष ग्रहों की स्थिति पितृ दोष का कारण दर्शाती है। न केवल संतान सुख में बाधा बल्कि पितृ दोष कई प्रकार के सुखों से व्यक्ति को वंचित रखता है। 'पितृ दोष' से पीड़ित व्यक्ति को अशुभ ग्रहों की दशा में मृत्यु तुल्य कष्ट सहना पड़ता है और शुभ ग्रहों की दशा में पूर्ण शुभ फल प्राप्त नहीं होता। जन्मकुंडलियों में राजयोग तो होता है लेकिन पितृ दोष के कारण पूर्ण फल नहीं मिल पाता। पितृकोप से अभिशप्त परिवार के सदस्यों का सौभाग्य, दुर्भाग्य में बदल जाता है और उन्हें अकारण ही रोग-शोक, दुःख-दरिद्रता का सामना करना पड़ता है। ग्रहों के योग से बनने वाला पितृ दोष व्यक्ति की सफलता एवं सुख-सुविधा में बाधक होता है। पितृ दोष की शांति के लिऐ महालय प्रारम्भ होने पर आपको 15 दिन का समय मिलेगा, जिसमें आप अपने पूर्वजों को नमन कर उनके आशीष से बाधाओं का शमन कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 11.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड़ पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

शराब के साथ प्रकट हुई देवी लक्ष्मी की बड़ी बहन कौन थी, जिसके विवाह के लिए भगवान विष्णु को करना पड़ा ऐसा इंतजाम

लाल-लाल आंखें, दुर्बल और मैला शरीर और तन पर गंदे कपड़े और लोहे के आभूषण... कुछ ऐसी है मां लक्ष्मी की बड़ी बहन अलक्ष्मी की छवि। मां लक्ष्मी से बिल्कुल उलट। जहां मां लक्ष्मी सुख-समृद्धि और सौभाग्य की देवी हैं तो वहीं उनकी बहन अलक्ष्मी जहां निवास करती हैं वहां दरिद्रता, दुख, क्लेश आदि होता है। उनकी कहानी बड़ी रोचक है। अलक्ष्मी को क्यों मां लक्ष्मी की बहन माना जाता है और कैसे उनके विवाह के लिए देवी लक्ष्मी स्वयं भगवान विष्णु से अड़ गई थीं। साथ ही अलक्ष्मी का निवास कहां है और उसे अपने घर में प्रवेश करने से कैसे दूर रखा जा सकता है। आइये विस्तार से जानते हैं।

मां लक्ष्मी की बड़ी बहन हैं अलक्ष्मी- माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी का उद्गम हुआ था। इसी प्रकार कथा यह भी कहती है कि मदिरा के साथ अलक्ष्मी भी समुद्र मंथन से ही निकली थी। इसलिए उन्हें मां लक्ष्मी की बड़ी बहन कहा जाता है। तब मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु ने विवाह करना चाहा लेकिन अलक्ष्मी बड़ी थीं। ऐसे में सनातन धर्म के अनुसार पहले अलक्ष्मी का विवाह होना जरूरी था, तभी छोटी बहन यानी देवी लक्ष्मी

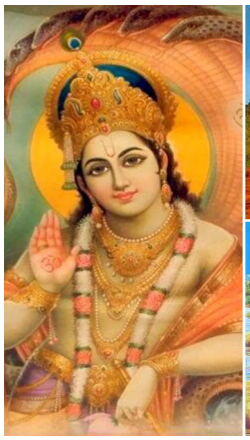

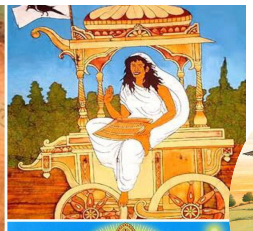

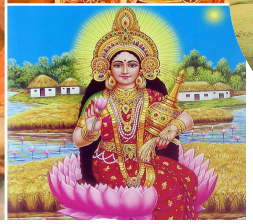

का विवाह होता।

क्यों भगवान विष्णु से अड़ गई देवी लक्ष्मी- चूंकि अलक्ष्मी का स्वरूप कुरूप था और शरीर भी गंदगी से भरा था इसलिए कोई भी उनसे विवाह नहीं करना चाहता था। बताया जाता है कि इसके बाद मां लक्ष्मी भगवान विष्णु से जिद पर अड़ गईं कि पहले अलक्ष्मी का विवाह होगा, इसके बाद ही वह उनके साथ शादी करेंगी। इसके बाद भगवान विष्णु को अलक्ष्मी के विवाह के लिए इंतजाम करना पड़ा। उन्होंने उद्दालक ऋषि को अलक्ष्मी से विवाह के लिए मनाया। इसके बाद उन

दोनों का विवाह हुआ।

अलक्ष्मी का निवास कहां पर है- विवाह के बाद अलक्ष्मी को लेकर उद्दालक ऋषि अपने आश्रम में पहुंचे लेकिन अलक्ष्मी ने वहां जाने से इनकार कर दिया। तब ऋषि ने पूछा कि आपका निवास कहां है। इस पर अलक्ष्मी ने बताया कि जहां गंदगी होती है। लड़ाई झगड़ा होता है। मांस-मदिरा का सेवन होता है। अधर्म के काम होते हैं। वह ऐसे घरों में निवास करती हैं। तब उद्दालक ऋषि अलक्ष्मी को पीपल के पेड़ के नीचे बैठाकर उनके लिए उचित स्थान ढूंढने के लिए चले गए।

अलक्ष्मी से कैसे बच सकते हैं- पीपल के पेड़ के नीचे बैठे-बैठे अलक्ष्मी को काफी समय बीत गया और उद्दालक ऋषि नहीं आए तो वह दुखी हो गईं। बड़ी बहन को दुखी देखकर मां लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को अपनी व्यथा कही।

तब श्रीहरि विष्णु ने कहा कि पीपल मेरा ही निवास है, ऐसे में अलक्ष्मी यहां पर निवास कर सकती है। तब से अलक्ष्मी का निवास पीपल के पेड़ के नीचे माना जाता है। साथ ही पीपल की पूजा करने वाले को अलक्ष्मी नुकसान नहीं पहुंचाती है। इसके साथ ही कहा जाता है कि अलक्ष्मी को खट्टा और मिर्च वाला भोजन पसंद है। इसीलिए घरों और प्रतिष्ठानों के बाहर नींबू मिर्च टांगा जाता है ताकि अलक्ष्मी वहीं से भोजन करके लौट जाए।

अंदर प्रवेश न करे। इसके साथ ही जहां साफ-सफाई हो, धार्मिक गतिविधियां हों, वहां भी अलक्ष्मी का प्रवेश नहीं होता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

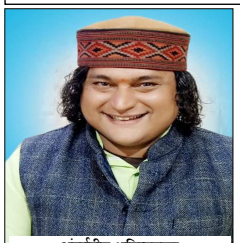

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम समय है। परिवार के साथ लंबी यात्रा पर भी जा सकते हैं। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। नई प्रॉपर्टी या वाहन की खरीदारी संभव है। रोमांटिक लाइफ में प्यार और रोमांस बढ़ेगा।

वृषभ- आय में वृद्धि होगी लेकिन धन खर्च भी अधिक होगा। पारिवारिक जीवन में परेशानियां हो सकती हैं। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी का भरपूर सपोर्ट मिलेगा। रोजाना योग और मेडिटेशन करें। लंबी यात्रा करते समय सतर्क रहें।

मिथुन- मिथुन राशि वाले थोड़ा सावधान रहें। व्यापार में नुकसान हो सकता है। इस समय किसी पर भी आंख मूंदकर विश्वास न करें। प्रोफेशनल लाइफ की चुनौतियों को कॉन्फिडेंस के साथ हैंडल करें। पार्टनर से अपने इमोशन्स खुलकर व्यक्त करें। रोजाना योग और मेडिटेशन करें। ऑफिस का स्ट्रेस घर न लाएं।

कर्क- शुभ समय नहीं है। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। ऑफिस में कार्यों की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलेगी। लव लाइफ में परेशानियां आ सकती हैं। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनाए रखें। अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें।

सिंह- आपके जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। कार्यों को लेकर लापरवाही न बरतें। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। रोजाना योग और एक्सरसाइज करें। इनवेस्टमेंट के नए विकल्पों पर नजर रखें। सिंगल जातकों को नए लोगों से मिलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कन्या- आपके लिए शुभ समय है । कार्यों में सफलता मिलेगी। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। निवेश करने के लिए समय शुभ रहेगा। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। ऑफिस में खूब मान-सम्मान मिलेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

तुला- तुला राशि वाले बड़े बदलावों के लिए तैयार रहें। प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की के योग हैं। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा। रोमांटिक लाइफ बढ़िया रहेगी। रिश्तों में प्यार और विश्वास बढ़ेगा। करियर ग्रोथ के नए अवसरों पर नजर रखें। ऑफिस में नए कार्यों की जिम्मेदारी लेने में संकोच न करें।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आप कुछ नया करने की भी कोशिश करेंगे । धन-संपत्ति से जुड़े शुभ समाचार मिलेंगे। फैमिली के साथ ट्रिप का प्लान भी बना सकते हैं। समाज में सराहे जाएंगे। प्रेमी के साथ समय व्यतीत करने का भी अवसर मिलेगा।

धनु- धनु राशि वालों के लिए शुभ समय है। पुराने निवेशों से धन लाभ होगा। करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। यात्रा के योग बनेंगे। करियर में अपार सफलता मिलेगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मकर- मकर राशि वालों को शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। नए बिजनेस की शुरुआत के लिए उत्तम समय है। प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नई प्रॉपर्टी या वाहन की खरीदारी के योग बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के लिए सामान्य समय रहेगा। व्यापार में लाभ होगा लेकिन सावधानी भी जरूरी है। प्रोफेशनल लाइफ में प्रमोशन या इंक्रीमेंट हो सकता है लेकिन काम की अधिकता भी रहेगी। काम के सिलसिले में यात्रा के योग बनेंगे। लव लाइफ में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

मीन- मीन राशि वालों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। प्रोफेशनल लाइफ में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा। नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के योग बनेंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य सफल होंगे। लव लाइफ अच्छी रहेगी। प्रेमी के साथ समय व्यतीत करेंगे।

कहानी

जादुई गधा

प्रभाती लाल सैनी

एक बार बादशाह अकबर ने अपनी बेगम साहिबा के लिए एक हीरों से जड़ा बहुत ही सुन्दर हार बनवाया ।

बेगम को यह हार बहुत पसंद आया । वो इसे बड़े संभाल कर रखती थीं । एक दिन बेगम साहिबा नहाने के लिए गई तो उन्होंने वह हार उतार कर एक अलमारी में रख दिया ।

जब वह नहा कर आई तो उन्हें वह हार नहीं मिला ।बेगम ने सारी बात बादशाह अकबर को बतलाई ।

अकबर ने अपने सैनिकों को बुलाकर हार ढूँढने के लिए कहा । अकबर के सैनिकों ने राजमहल का चप्पा-चप्पा छान मारा परन्तु हार नहीं मिला । थक हार कर अकबर ने बीरबल को महल में बुलाया और सारी बात बतलाई।

बीरबल को महल के कर्मचारियों पर संदेह था । उन्होंने दूसरे दिन महल के सभी कर्मचारियों को बुलाने के लिए कहा । अकबर के आदेश से दूसरे दिन समय पर महल के सभी कर्मचारी आ गए । परन्तु अभी तक बीरबल नहीं पहुंचे । कुछ देर बाद बीरबल एक गधे को लेकर पहुँच जाते हैं ।

अकबर ने बीरबल से दरबार में गधे को लाने का कारण पूछा ।

बीरबल ने जवाब दिया - महाराज ! यह कोई साधारण गधा नहीं है यह तो एक जादुई गधा है जो चोर का नाम बतला सकता है । इसे ढूँढने के कारण ही मुझे दरबार में आने में बिलम्ब हो गया ।

अकबर ने पूछा - यह एक गधा है और चोर का नाम कैसे बतला सकता है ?

बीरबल ने जवाब दिया - जहाँपनाह ! जब कोई चोर इसकी पूँछ पकड़कर जोर से कुछ बोलेगा तो उसके स्पर्श से यह जान जायेगा चोर कौन है ।

फिर बीरबल ने उस गधे को पास के कमरे में ले जाकर बाँध दिया और दरबार में आकर कहा - सभी एक-एक करके कमरे में जाएँ और गधे की पूँछ पकड़कर जोर से चिल्लाएं कि मैंने चोरी नहीं की है । आपकी आवाज यहाँ तक आना चाहिए ।

बीरबल के कहे अनुसार सभी एक के बाद एक कमरे में जाते हैं और गधे की पूँछ पकड़कर चिल्लाते है मैंने चोरी नहीं की है ।जब यह कार्य पूर्ण हो जाता है तब बीरबल सभी के पास जाकर उनके हाँथ खुलवाते हैं और उसे सूंघते हैं ।

इस प्रकार सूंघते-सूंघते एक कर्मचारी के पास जाकर उसके हाँथ सूंघकर बीरबल कहते हैं ।

शहंशाह ! इसी ने चोरी की है।

अकबर ने पूछा - तुम इतने भरोसे से कैसे कह सकते ही कि इसी ने चोरी की है ? बीरबल बोले -बादशाह ! यह कोई जादुई गधा नहीं है बल्कि एक साधारण सा गधा है । मैंने इसकी पूँछ में एक खुशबूदार पदार्थ लगा दिया था ।

जिन कर्मचारियों ने चोरी नहीं की थी उन्होंने इसकी पूँछ पकड़ी और उन सभी की हथेलियों से उस पदार्थ की खुशबू आ रही थी जबकि इसने डर के कारण गधे की पूंछ नहीं पकड़ी थी और इसकी हथेली से खुशबु नहीं आ रही है ।

हमेशा की तरह बादशाह अकबर बीरबल की चतुराई से बहुत खुश हुए और उन्हें बहुत सा इनाम भी दिया ।

भारतीय संस्कृति गो संस्कृति हैःराज्यपाल

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारतीय संस्कृति गो संस्कृति है। संस्कृति में गो शब्द लग जाता है तो इसका अर्थ है-श्रद्धा के साथ अर्थव्यवस्था का जुड़ना। ऐसी अर्थव्यवस्था से ही सतत् और संतुलित विकास होता है। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर उसके उत्पादों से जन-जन को जोड़े जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गो धन संरक्षण के लिए गौशालाओं की स्थापना संग नंदी शालाएं भी स्थापित की जाए। राज्यपाल विद्याधर नगर में देवरहा बाबा गो सेवा परिवार द्वारा वैश्विक संगोष्ठी, प्रदर्शनी के आलोक में आयोजित गो-महाकुम्भ 2025 में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा में गाय की महता से जुड़े संदर्भ देते हुए कहा कि गो-सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हमारे वैदिक ग्रंथ, शास्त्र सभी गो को पूज्य कहते हैं। परन्तु जिसे पूजा जाता है वह हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार है। यह गाय ही है जो हमें दूध के रूप में पोषण देती है। गाय का घी, पनीर, मावा आदि बहुत से उत्पादों से ही भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ है। राज्यपाल ने देवरहा बाबा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह महान योगी, सिद्ध तो थे ही, गोसेवा को सर्वोपरि-धर्म मानते थे। वह कहते थे, जीवन को पवित्र बनाए बिना, ईमानदारी, सात्विकता-सरसता के बिना भगवान की कृपा प्राप्त नहीं होती। गो सेवा इसका सबसे बड़ा माध्यम है। राज्यपाल ने कहा कि महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म कहते हैं कि गाय हमारी माता है और बैल हमारे पिता हैं। वेदों में सूर्य की एक किरण का नाम कपिला है। उन्होंने गोपाष्टमी पर्व मनाने, श्री कृष्ण का धेनु से नाता बताते हुए कहा कि गो ने भगवान का अभिषेक किया, उसी दिन से भगवान का एक नाम 'गोविंद' पड़ा। गाय विश्वरूपा है।

महान शिक्षक ही महान राष्ट्र का निर्माण करते हैं : पटेल

जयपुर(नि.सं.)। जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में पीएम महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जालोरी गेट जोधपुर में आयोजित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री ने शिक्षक दिवस को शुभकामनाएं देते हुए कहा आज का दिन शिक्षकों के सम्मान और उनकी महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका को मान्यता देने के लिए समर्पित एक उत्सव है। उन्होंने कहा यह दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात दार्शनिक एवं विद्वान डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। पटेल ने डॉ. राधाकृष्णन को नमन करते हुए कहा कि वे शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त साधन मानते थे। उन्होंने कहा कि महान शिक्षक ही महान राष्ट्र का निर्माण करते हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 'विकसित भारत 2047' को साकार करने में हमारे शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा यह दिवस शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। पटेल ने कहा इस अवसर पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन और आदर्शों के अनुरूप एक सशक्त और संस्कारित राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव को मातृ शोक

चौमूं (संस्कार सृजन) ग्राम आलीसर निवासी वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव को मातृ शोक हुआ है ।जानकारी के अनुसार सुबह उनकी माताजी भगवती देवी धर्मपत्नी वरिष्ठ अध्यापक स्वर्गीय गजेंद्र खातोदिया का अचानक स्वर्गवास हो गया । भगवती देवी परिवार को बांधकर रखने वाली थी । पीछे चार पुत्र और दो बेटियां सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है । मृत्यु की खबर सुनकर आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई ।

पुलिस उपायुक्त उषा यादव का पंडित रविन्द्राचार्य ने किया अभिनन्दन

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं में नव पदस्थापित पुलिस उपायुक्त आई.पी.एस. उषा यादव का आज अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य द्वारा शॉल, श्याम दुपट्टा, श्याम कलम, श्याम इत्र एवं माला पहनाकर अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर चौमूं क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने तथा होटलों में चल रहे अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम जैसे मुद्दों को उठाया गया। आई.पी.एस. उषा यादव ने ज्ञापन में उल्लिखित सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि चौमूं क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी और समाज विरोधी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान यादव महासभा जयपुर जिला देहात के मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, सुनील अग्रवाल, पंडित रामस्वरूप शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, पंडित अमित शर्मा, मुकेश बागड़ा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

36वीं बार निर्विरोध अध्यक्ष बने कालूराम जाट

जयपुर (संस्कार सृजन) चौमूं शहर के रेनवाल रोड, रेलवे अंडरपास के पास स्थित श्रीवीर तेजाजी धाम पर तेजादशमी मेले के अवसर पर रात्रि में श्रीवीर तेजाजी विकास समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट की अध्यक्षता में आयोजित हुइ। बैठक में गत वर्ष का आय-व्यय का हिसाब पेश किया गया । जिसका उपस्थित सभी लोगों ने अनुमोदन किया । बैठक में समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट को लगातार 36वीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया । बैठक में उपाध्यक्ष नानूराम यादव, महामंत्री रतन लाल गोरा, छुट्टन लाल यादव, कोषाध्यक्ष गोपाल लाल यादव, पूर्व पार्षद शैलेंद्र चौधरी, एडवोकेट सुरेश गोदारा, शैतान मल गोरा, लालचंद मान, सदस्य मोहनलाल गोरा, अशोक सैनी, रमेश चंद्र कुमावत, अमित सैनी, विनोद गोदारा, पुजारी ताराचंद शर्मा, अरविंद भातरा, सुमेर चौधरी मौजूद रहे ।

मानवता की अद्भुत मिसालः पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की प्रेरणा से रोहिन का अंगदान

चौमूं (संस्कार सृजन) कहते हैं कि मृत्यु अंत नहीं है, बल्कि एक नई शुरुआत हो सकती है। गोगोरियों की ढाणी, चीथवाड़ी निवासी 19 वर्षीय छात्र रोहिन शर्मा ने जाते-जाते यही साबित कर दिखाया। असमय विदा लेने के बावजूद उन्होंने तीन लोगों को नया जीवन और नई उम्मीद दी। 23 अगस्त को सीकर रोड राजावास के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें रोहिन शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजनों ने उन्हें तुरंत जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने इलाज के प्रयास किए। लेकिन स्थिति बिगड़ती चली गई और अंततः विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेन-डेथ घोषित कर दिया।

रोहिन की असामयिक दुर्घटना से परिवार और गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। इस कठिन समय में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा शनिवार सुबह उनके निवास स्थान पहुँचे। वहाँ उन्होंने परिजनों और ग्रामवासियों के बीच अंगदान के महत्व पर चर्चा की।

रामलाल शर्मा ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे एक निर्णय कई परिवारों की ज़िंदगी बदल सकता है। उनके शब्दों से परिजनों नें प्रेरित होकर असहनीय पीड़ा के बीच भी साहस दिखाते हुए अंगदान का ऐतिहासिक निर्णय लिया। रोहिन के दादा खेमचंद शर्मा, पिता अशोक शर्मा और माता मिश्री देवी ने अपने बेटे को खोने के गहरे दुःख के बीच भी, रोहिन के अंगदान के लिए सहमति दी।

तीन लोगों को मिला नया जीवन – चिकित्सकों के अनुसार रोहिन की दोनों किडनी व लीवर दान किए गए हैं। इन अंगों से तीन गंभीर रोगियों को नया जीवन मिला है। एक किडनी को अजमेर निवासी चंद्र प्रकाश पिता पन्नालाल बैरवा, उम्र 42 वर्ष तथा दूसरी किडनी को हनुमानगढ़ निवासी प्रेम कँवर पत्नी शोभ सिंह, उम्र 60 वर्ष को ट्रांसप्लांट किया गया है तथा लीवर जयपुर निवासी मनीष झीरीवाल पिता सत्य प्रकाश झीरीवाल, उम्र 47 वर्ष को ट्रांसप्लांट किया गया है।

गाँव में गम और गर्व का माहौल – अस्पताल से पार्थिव शरीर को जब उनके पैतृक गाँव चिथवाड़ी स्थित गोगोरियों की ढाणी लाया गया, तो पूरे गाँव में शोक और गर्व का अद्भुत मिश्रण देखने को मिला। हर आँख नम थी, लेकिन दिलों में यह संतोष था कि रोहिन ने अपनी अंतिम सांसों के बाद भी मानवता की सेवा की। गाँव की गलियों में हजारों की संख्या में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। नारे और श्रद्धांजलि के स्वर गूंज उठे। पूरे सम्मान और रीति-रिवाजों के साथ अंत्येष्टि सम्पन्न हुई।

पंचदिवसीय देव दर्शन यात्रा के समापन पर हुआ सम्मान

चौमूं (संस्कार सृजन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित पंचदिवसीय देवदर्शन यात्रा का भव्य समापन गढ़ परिसर स्थित श्री सीताराम जी के मंदिर में धर्ममय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। पंचदिवसीय यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया।

समापन अवसर पर जनरल फैंसी फुटवियर स्टेशनरी व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी एवं पदाधिकारियों ने विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी एवं प्रतिनिधि समूह का दुपट्टा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि धर्मयात्रा केवल दर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि यह आत्मशुद्धि और समाज को एक सूत्र में बाँधने का पवित्र अवसर है। समारोह में प्रमुख रूप से व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अशोक सिंगोदिया, संगठन मंत्री कालूराम सैनी, प्रकाश सैनी, फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नारायण लाल शर्मा, महामंत्री रामलाल शेरावत, चौमूं तहसील अध्यक्ष अशोक रेवड़का, मुकेश लालानी, चौमूं नगर अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत प्रशासनिक अधिकारी रमाशंकर शर्मा, योगेश शर्मा, पुजारी दीपक शर्मा, महेंद्र गठाला, भगवान सहाय जाखड़, हरि शंकर सैनी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान ने गेंहू के 340 कट्टें को शांतिकुंज हरिद्वार किया रवाना

चौमूं (संस्कार सृजन) शहर के राधाबाग कॉलोनी में स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान चौमूं के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शांतिकुंज हरिद्वार में चल रहे अनवरत माता भगवती भोजनालय के लिए सभी के सहयोग से 340 कट्टे यानी 17 टन गेंहू के ट्रक को सभी भामाशाहों ने धर्म ध्वज दिखाकर रवाना किया । कार्यक्रम की शुरुआत प्रज्ञा गीत के साथ हुई। सभी भामाशाहों को तिलक व दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इसी दौरान चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा का सपत्नी, डॉ. सुरेश कुमार जांगिड़, एड. सुनील उप्पल का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। सभी का अक्षत पुष्प से मंगलाचरण किया गया । साथ ही गायत्री परिवार द्वारा इस पुनीत कार्य में सहयोग हेतु भामाशाओ का आभार व्यक्त किया । इस दौरान ट्रस्ट सचिव राजकुमार शर्मा ने बताया कि माता भगवती भोजनालय में प्रतिवर्ष 5 हजार से अधिक साधकगण एवम उपासक भोजन को ग्रहण करते है। वहीं ट्रस्ट उपाध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र सिंह बीजावत ने सभी भामाशाओं द्वारा एकत्र किए गेंहू का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान गजेंद्र सिंह बीजावत, सांवरमल अग्रवाल, दिनेश कुमार खेमावाला, रामबाबू सैन, थानाराम जाट ,अमित अग्रवाल, सालिग्राम अग्रवाल, कुंजबिहारी गर्ग, रमाकांत मोदी, रामकृष्ण दुसाद, मदनलाल विजय , गुलाबचंद शर्मा, मालचंद बुनकर, मनोज सांखला, गोपाल यादव , सतीश अग्रवाल, शिवदयाल लालानी , गजेंद्र जिंदल, नरेश जिंदल, परिव्राजक दयाराम राजपाल ,रमेश राजपाल सहित आदि परिजन उपस्थित रहे।

माली समाज भवन निर्माण समिति की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

चौमूं (संस्कार सृजन) माली समाज भवन निर्माण समिति अध्यक्ष जय नारायण चंदेल ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है ।

कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश नारायण बेंनाडिया, उपाध्यक्ष मोहरी लाल चाँदोलिया , बाबूलाल भभेवा , राम प्रकाश रांई, हरि नारायण बागड़ी, महामंत्री श्रवण कुमार रांई, संयुक्त मंत्री सांवरमल कारोड़िया, कोषाध्यक्ष छीतरमल बबेरवाल, सहकोषाध्यक्ष कैलाश चांदोलिया, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश प्रसाद पांच्या, नाथूराम बिसनालिया, मदनलाल दुबलधनिया, बाबूलाल बागड़ी, प्रभु नारायण जादम, कन्हैया लाल जादम, राजेंद्र कुमार इंदौरा, नरेश कुमार खडोलिया, सूरजमल करवां, हिमांशु सैनी, विशेष आमंत्रित सदस्य- डॉ. मान प्रकाश तँवर, डॉ.संतोष कुमार अधोप्या, मदनलाल बागड़ी, हनुमान प्रसाद जमालपुरिया, संरक्षक मंडल- भगवान सहाय सैनी पूर्व विधायक ,विष्णु कुमार सैनी सभापति ,हनुमान सहाय सिंगोदिया, रामचंद्र तुंदवाल, राधेश्याम तँवर ,सूरजमल ठेकेदार, घीसालाल तंवर, हीरालाल पांच्या (अध्यक्ष माली समाज विकास समिति), रामचंद्र फड्या, नानूराम सैनी, गोविंद नारायण सैनी, रामेश्वर फड्या, सायरमल तँवर, नन्छुराम बिश्नालिया को मनोनीत किया गया। इसके पश्चात चुनाव अधिकारी प्रभातीलाल शिवनगरिया ने पद एवं गोपनीयता की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

रक्तदान शिविर में हुआ युवा प्रदेश अध्यक्ष तेजराज यादव का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवयुवक मंडल खोरी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । मंडल अध्यक्ष मनीष डाबी ने समाजवादी पार्टी युवा प्रदेश अध्यक्ष तेजराज यादव व उनकी टीम का स्वागत सम्मान किया । साथ ही अहीर यादव फाउंडेशन राष्ट्रीय संयोजक गिरिज यादव, प्रदीप धानका, कैलाश यादव, विकास यादव का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया । तेजराज यादव ने बताया कि रक्तदान से बडा कोई दान नही है । रक्तदान तीन महीने में एक बार तो करना चाहिए यह कहकर रक्तदाताओं की हौसला अफ़जाई की ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी